भारत सरकार

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 399**

उत्तर देने की तारीख 02 फरवरी, 2026

सोमवार, 13 माघ, 1947 (शक)

**महाराष्ट्र में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना की स्थापना**

**399. प्रो. वर्षा एकनाथ गायकवाड़:**

**क्या कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:**

(क) क्या सरकार ने महाराष्ट्र और विशेषकर मुंबई में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) कौशल प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित और संचालित किए हैं;

(ख) यदि हां, तो महाराष्ट्र में और मुम्बई शहर तथा मुम्बई उपनगरीय जिलों में अलग-अलग संचालित पीएमकेवीवाई केन्द्रों की कुल संख्या कितनी है;

(ग) इन केन्द्रों के स्थानों, रोजगार भूमिकाओं और इनके द्वारा कवर किए जाने वाले क्षेत्रों का ब्यौरा क्या है;

(घ) गत तीन वर्षों के दौरान महाराष्ट्र और मुम्बई में नामांकित, प्रशिक्षित, प्रमाणित और नियोजित उम्मीदवारों की संख्या का ब्यौरा अलग-अलग क्या है;

(ङ) मुम्बई में औपचारिक रोजगार में शामिल प्रशिक्षुओं की रोजगार दर तथा अनुपात का ब्यौरा क्या है;

(च) क्या सरकार द्वारा मुंबई की शहरी कौशल और रोजगार जरूरतों को पूरा करने में पीएमकेवीवाई केंद्रों की प्रभावशीलता पर कोई स्वतंत्र मूल्यांकन किया गया है; और

(छ) मुंबई में पीएमकेवीवाई के अंतर्गत उद्योग-संलग्नता, शिक्षुता तथा रोजगार परिणामों को सुदृढ़ करने हेतु सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) और (ख) कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय, महाराष्ट्र सहित पूरे देश में मान्यता प्राप्त एवं संबद्ध प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से युवाओं को अल्पकालिक प्रशिक्षण (एसटीटी) द्वारा कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करने और पूर्व अधिगम की मान्यता (आरपीएल) के माध्यम से कौशल उन्नयन एवं पुनः कौशल प्रदान करने हेतु प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) का कार्यान्वयन कर रहा है।

पीएमकेवीवाई 4.0 एक मांग आधारित योजना है और राज्य/उद्योग/उद्योग संघों/प्रशिक्षण प्रदाताओं से प्राप्त आवश्यकताओं के आधार पर कौशल प्रशिक्षण केंद्र परियोजनावार स्थापित किए जाते हैं। महाराष्ट्र राज्य (मुंबई और मुंबई उपनगरीय जिलों सहित) में दिनांक 31.12.2025 पीएमकेवीवाई 4.0 के तहत कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करने वाले प्रशिक्षण केंद्रों का विवरण तक नीचे दिया गया है:

| **क्र.सं.** | **राज्य/जिले का नाम** | **प्रशिक्षण केंद्रों की संख्या** |
|---|---|---|
| 1 | महाराष्ट्र | 717 |
| 2 | मुंबई | 20 |
| 3 | मुंबई उपनगर | 11 |

(ग) महाराष्ट्र राज्य में पीएमकेवीवाई 4.0 के अंतर्गत दिनांक 31.12.2025 तक इन केंद्रों द्वारा कवर किए गए स्थानों, जॉब रोल्स और क्षेत्रों का विवरण **अनुबंध I** में दिया गया है (जो मंत्रालय की वेबसाइट https://www.msde.gov.in/documents?page=1 पर उपलब्ध है)।

(घ) पीएमकेवीवाई 4.0 के अंतर्गत, प्रशिक्षित उम्मीदवारों को अपने विविध करियर अवसर चुनने के लिए सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है और उन्हें उद्योग से संबंधित कौशल पाठ्यक्रमों में अंतर्निहित ऑन-जॉब ट्रेनिंग (ओजेटी) के माध्यम से इसके लिए उपयुक्त रूप से तैयार किया जाता है। पिछले तीन वर्षों (वित्त वर्ष 2022-23 से 2024-25) के दौरान नामांकित, प्रशिक्षित और प्रमाणित उम्मीदवारों की संख्या का विवरण, महाराष्ट्र और मुंबई के लिए अलग-अलग, नीचे दिया गया है:

| **राज्य/जिला** | **नामांकित उम्मीदवार** | **प्रशिक्षित/अभिविन्यस्त उम्मीदवार** | **प्रमाणित उम्मीदवार** |
|---|---|---|---|
| महाराष्ट्र | 1,54,112 | 1,10,652 | 60,574 |
| मुंबई | 4,060 | 2,453 | 1,768 |
| मुंबई उपनगर | 6,046 | 3,303 | 2,065 |

(ङ) योजना के पहले तीन संस्करणों, यानी पीएमकेवीवाई 1.0, पीएमकेवीवाई 2.0 और पीएमकेवीवाई 3.0, जो वित्त वर्ष 2015-16 से वित्त वर्ष 2021-22 तक लागू किए गए थे, के अल्पकालिक प्रशिक्षण (एसटीटी) घटक में प्लेसमेंट का रिकॉर्ड रखा गया था। पीएमकेवीवाई 1.0 से 3.0 के तहत, महाराष्ट्र राज्य में 80,950 उम्मीदवारों को प्लेसमेंट मिलने की सूचना मिली थी, जिनमें मुंबई के 1,120 उम्मीदवार शामिल थे।

(च) प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4.0 (पीएमकेवीवाई 4.0) का एक स्वतंत्र तृतीय-पक्षीय प्रभाव मूल्यांकन अरुण जेटली राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन संस्थान (एजेएनआईएफएम) द्वारा किया गया है। यह मूल्यांकन महाराष्ट्र सहित देश के 12 राज्यों में किया गया था, ताकि लाभार्थी सर्वेक्षणों, हितधारकों के परामर्श और योजना के आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर पीएमकेवीवाई की प्रभावशीलता, दक्षता, परिणामों और प्रभाव का आकलन किया जा सके।

(छ) सरकार ने पीएमकेवीवाई 4.0 के तहत उद्योग संबंधों, शिक्षुता और रोजगार परिणामों को सशक्त बनाने के लिए विभिन्न कदम उठाए हैं। पीएमकेवीवाई के अंतर्गत पाठ्यक्रम उभरते क्षेत्रों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उद्योग-नेतृत्व संचालित संस्थाओं द्वारा तैयार किए गए हैं। ड्रोन, कृत्रिम मेधा (एआई), रोबोटिक्स, मेकाट्रॉनिक्स आदि जैसे उभरते क्षेत्रों और उद्योग 4.0 की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भविष्य के लिए तैयार नौकरियों में प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। इसके अलावा, रोजगार के अवसरों को सक्षम बनाने के लिए, स्किल इंडिया डिजिटल हब (सिद्ध) प्लेटफॉर्म को एक ऐसे मंच के रूप में लॉन्च किया गया है जो कौशल विकास, शिक्षा, रोजगार और उद्यमिता इको सिस्टम को एकीकृत करता है और हितधारकों की एक विस्तृत श्रृंखला को लक्षित करते हुए आजीवन सेवाओं की एक श्रृंखला प्रदान करता है। प्रशिक्षित उम्मीदवारों का विवरण संभावित नियोक्ताओं से जुड़ने के लिए सिद्ध पोर्टल पर उपलब्ध है। स्किल इंडिया डिजिटल हब के माध्यम से, उम्मीदवार नौकरियों और शिक्षुता के अवसरों तक पहुंच प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही, ऑन-जॉब-ट्रेनिंग (ओजेटी) को पीएमकेवीवाई का एक अभिन्न अंग बनाया गया है। इसके अलावा, प्रमाणित उम्मीदवारों को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए कौशल महोत्सव और प्रधानमंत्री राष्ट्रीय शिक्षुता मेले (पीएमएनएएम) आयोजित किए गए हैं।

******